सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 30 JUNE TO 06 JULY 2023 • VOLUME 49 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

आप में कितनी भी प्रतिभा क्यों न हो,
प्रयास और अभ्यास के बिना सब व्यर्थ है !

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

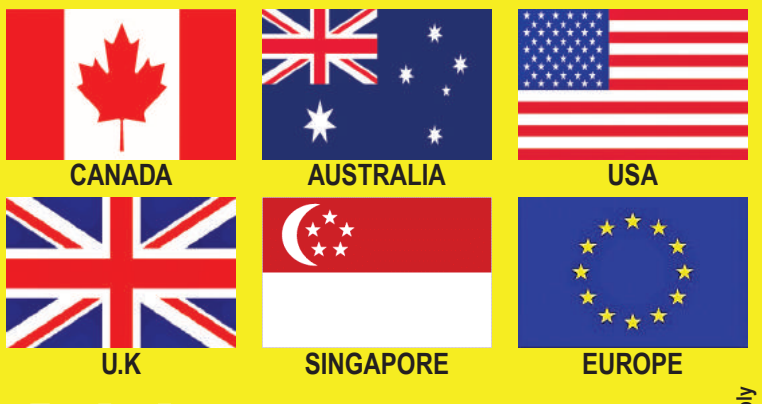

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

पर्ल ग्रुप की संपत्ति कब्जे में लेकर बेचने की प्रक्रिया शुरू करने का ऐलान

धोखेबाज़ कंपनी के स्वामित्व वाली जायदादें बेचकर लोगों को मुआवज़ा दिया जायेगा

धोखाधड़ी करने वाली अन्य कंपनियों को सबक सिखाने के लिए पर्ल कंपनी विरुद्ध मिसाली कार्रवाई की जायेगी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज कहा कि सूबा सरकार ने पर्ल ग्रुप की मालकी वाली जायदादें ज़ब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है जिससे इसको बेचकर लोगों को मुआवज़ा दिया जा सके। इस संबंधी और विवरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सूबे के लोगों से लूटे गए एक-एक पैसे

की वसूली करेगी। उन्होंने बताया कि अलग-अलग जिलों में पर्ल ग्रुप की जायदादों की पहचान की जा चुकी है और इन जायदादों को हासिल करने के लिए कानूनी कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। भगवंत मान ने कहा कि माल रिकार्ड में रैड्ड ऐंटरियां की गई हैं जिससे कोई भी इस जायदाद को बेच या खरीद न सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ग्रुप ने सूबे के लोगों के साथ बहुत बड़ा धोखा किया है जिस करके इसको हर हाल में जवाबदेह बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता को यकीनी बनाने के लिए ज़मीनी स्तर पर माल रिकार्ड की पहले ही जांच की जा उठाई है। भगवंत मान ने कहा कि इस कार्य को पहल के आधार पर किया गया जिससे सरकार की तरफ से यह जायदाद ज़ब्त की जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव और डी. जी. पी. को इस काम को निर्विघ्न और समयबद्ध ढंग के साथ पूरा करने के लिए समूची प्रक्रिया की निजी तौर पर निगरानी करने के निर्देश दिए। भगवंत मान ने कहा कि यह जायदादें बेची जायेगी और लोगों का एक-एक पैसा उनको वापस किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सूबा सरकार यह यकीनी बनाने के लिए वचनबद्ध है कि लोगों का पैसा उनको वापस किया जाये और कंपनी विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाये जिससे धोखाधड़ी करने वाली ऐसीं अन्य कंपनियों को भी सबक मिल सके।

कटारुचक यौन उत्पीड़न मामला : एनसीएससी ने पंजाब सरकार के अधिकारियों को 31 जुलाई को पेश होने को कहा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब पुलिस द्वारा पंजाब के कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारुचक के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित

जाति आयोग को अपनी कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने के लगभग दो सप्ताह बाद, आयोग ने 31 जुलाई की सुबह 11 बजे पंजाब सरकार के अधिकारियों नई दिल्ली स्थित आयोग के मुख्यालय में उपस्थित होने को कहा गया है ।

पंजाब के कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाले केशव कुमार की शिकायत पर कड़ा संज्ञान लेते हुए आयोग ने अपने अध्यक्ष विजय सांपला के आदेश पर 5 मई को पंजाब सरकार के अधिकारियों को नोटिस जारी कर उन्हें कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने और पीड़ित जिसे मंत्री की ओर से धमकी भरे फोन आ रहे थे को सुरक्षा मुहैया कराने को कहा । 5 मई के नोटिस के बाद 25 मई और 5 जून को भी नोटिस भेजे गए । इन नोटिसों के बाद अमृतसर बॉर्डर रेंज के डीआइजी की ओर से 12 जून को कार्रवाई रिपोर्ट आयोग को सौंपी गई। इस बीच सौंपी गई कार्रवाई रिपोर्ट का अध्ययन करने के उपरांत, अध्यक्ष विजय सांपला के आदेश पर आयोग ने पंजाब के मुख्य सचिव, पंजाब पुलिस के महानिदेशक और अमृतसर बॉर्डर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक को 31 जुलाई को सुबह 11 बजे नई दिल्ली में आयोग के सामने पेश होने को कहा है। आयोग ने मामले के जांच अधिकारी को भी सुनवाई में शामिल होने के लिए कहा है।

आयोग ने अधिकारियों से नवीनतम कार्रवाई रिपोर्ट और प्रासंगिक फाइलों, केस डायरी और अन्य कार्यवाही सहित सभी प्रासंगिक दस्तावेज लाने के लिए भी कहा है। आयोग ने आगे कहा कि याचिकाकर्ता को सुनवाई के दिन आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए भी कहा जा सकता है।

तामिलनाडू के राज्यपाल ने जेल में बंद वी सेंथिल बालाजी को मंत्रिपरिषद से किया बर्खास्त

बालाजी पर नौकरियों के लिए नकदी लेने और मनी लॉन्ड्रिंग सहित भ्रष्टाचार के कई मामलों में गंभीर आपराधिक कार्यवाही

चेन्नई. तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने जेल में बंद वी सेंथिल बालाजी को तत्काल प्रभाव से मंत्रिपरिषद से बर्खास्त कर दिया है। तमिलनाडु राजभवन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि मंत्री वी सेंथिल बालाजी पर नौकरियों के लिए नकदी लेने और मनी लॉन्ड्रिंग सहित भ्रष्टाचार के कई मामलों में गंभीर आपराधिक कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा है। इन परिस्थितियों में, राज्यपाल ने उन्हें तत्काल प्रभाव से मंत्रिपरिषद से बर्खास्त कर दिया है।

तमिलनाडु में चेन्नई की एक अदालत ने धनशोधन मामले में गिरफ्तार तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत बुधवार को 12 जुलाई

तक बढ़ा दी थी। मंत्री कावेरी अस्पताल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए प्रधान सत्र अदालत के न्यायाधीश एस. अल्ली के समक्ष पेश हुए थे। न्यायाधीश ने गिरफ्तार मंत्री के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनकी हिरासत 12 जुलाई तक बढ़ा दी। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय ने 14 जून को सेंथिल बालाजी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। बाद में जांच के दौरान बेचैनी और सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें यहां ओमांदुरार सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सेंथिल बालाजी की चेन्नई के एक निजी अस्पताल में बाईपास सर्जरी की गई और उनका रक्त प्रवाह सामान्य है। निजी अस्पताल ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'नौकरी के बदले नकदी' कथित घोटाले में सेंथिल बालाजी को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया था। 'कावेरी अस्पताल' की ओर से जारी एक मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, मंत्री की सुबह हृदय की 'कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी' हुई।

'कावेरी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स' के सह-संस्थापक एवं कार्यकारी निदेशक डॉ. अरविंदन सेल्वराज ने बुलेटिन में कहा, 'चार बाईपास 'ग्राफ्ट' लगाए गए और 'कोरोनरी रिवैस्कुलराइजेशन' किया गया।'' 'कोरोनरी रिवैस्कुलराइजेशन' उपचार की एक प्रकिया है, जिसमें हृदय के उन क्षेत्रों में रक्त के सामान्य प्रवाह को बहाल किया जाता है जहां रक्त जरूरत के हिसाब से नहीं पहुंच रहा होता।

चन्नी द्वारा लीज पर दी जमीन को रद्द करने की तैयारी

चंडीगढ़. पंजाब सरकार की तरफ से गोवा में समुद्र किनारे एक निजी कंपनी को लीज पर जमीन दी गई थी। आठ एकड़ जमीन को लीज पर दिया गया था जिसे पंजाब सरकार द्वारा अब रद्द करने की तैयारी है। आठ एकड़ जमीन का टेंडर महज 1.13 लाख रुपये प्रति माह के हिसाब से 15 साल के लिए दिया गया था।

पंजाब के टूरिज्म विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी गुरकीरत किरपाल सिंह के मुताबिक सरकार ये लीज कैंसल करने के लिए इस कंपनी को नोटिस करने जा रही है। पिछली सरकार में मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के द्वारा ये जमीन लीज पर दी गई थी। इस मामले की जांच राज्य विजिलेंस ब्यूरो भी कर रहा है। यह लीज कथित तौर से नियमों को ताक पर रख कर दी गई थी और बहुत कम दाम पर दे दी गई थी। टूरिज्म विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी गुरकीरत किरपाल के अनुसार ये 8 एकड़ जमीन एक

प्राईवेट कंपनी को 15 साल के लिए सिर्फ 1.13 लाख रुपये प्रति माह के हिसाब से दी गई थी। पंजाब सरकार ने ये जमीन निजी कंपनियों से ली थी।

इसमें पंजाब के टूरिज्म डिपार्टमेंट के तहत आने वाली तीन कंपनियों का हिस्सा है। 2022 में जब पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी थे तब पंजाब पर्यटन विकास निगम ने ये जमीन को निजी कंपनी को लीज पर दी थी, मगर इन तीन कंपनियों से इसके लिए इस टेंडर प्रक्रिया से पहले सहमति नहीं ली गई और ये तय हुआ था कि इनसे सहमति लीज प्रक्रिया के बाद ले ली जाएगी। हालांकि इनमे से एक कंपनी ने इसके लिए सहमति देने से मना कर दिया था।

मतदाताओं को मोदी पर भरोसा : शाह

कांग्रेस 20 साल से राहुल बाबा को लॉन्च कर रही, पर नहीं होता

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि क्या बार-बार घर बदलने वाले नेता पर भरोसा किया जा सकता है?

पटना. केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने आज अपने बिहार दौरे के दौरान कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भ्रष्टाचार से बचने के लिए परिवारवादी दल एक साथ हो रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों से राहुल गांधी को लॉन्च करने की कांग्रेस की ओर से कोशिश हो रही है। लेकिन मतदाताओं का भरोसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर है। बिहार के महागठबंधन सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार की कानून व्यवस्था लगातार खराब होती जा रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हम उस पार्टी से आते हैं जहां किसी नेता को लॉन्च नहीं किया जाता बल्कि जनता उसे

लॉन्च करती है। लेकिन कांग्रेस 20 साल से राहुल बाबा को लॉन्च कर रही है, लेकिन वह लॉन्च नहीं होता। इस बार भी कांग्रेस ने उन्हें पटना में लॉन्च करने की नाकाम कोशिश की।

अमित शाह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की भूमि जय प्रकाश की भूमि है... जहां से भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि नीतीश बाबू आपको शर्म आनी चाहिए कि 20 लाख करोड़ के घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार करने वाली कांग्रेस, लालू प्रसाद यादव और अरविंद केजरीवाल के साथ बैठकर आप सत्ता हथियाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में 'महागठबंधन' (जदयू, राजद और कांग्रेस गठबंधन) सरकार के तहत कानून-व्यवस्था की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि क्या बार-बार घर बदलने वाले नेता पर भरोसा किया जा सकता है? क्या ऐसे आदमी के हाथ में बिहार की बागडोर दी जानी चाहिए? वह भी यह जानता है। इसीलिए वह देश का पीएम बनने के लिए कांग्रेस के घर के सामने बैठे हैं। उन्होंने कहा कि वह पीएम नहीं बनना चाहते, वह इस उम्र में सिर्फ लालू यादव को बेवकूफ बना रहे हैं। वह यहीं बिहार में रहना चाहते हैं और उन्होंने भाजपा के सभी प्रतिद्वंद्वियों को इकट्ठा किया है...ये 20 पार्टियां वे हैं जिन्होंने 2004-2014 तक 20 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार और घोटाले में लिप्त रहे।

संसद मैंबर रिंकू धार्मिक स्थानों पर हुए नतमस्तक

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

लोक सभा सदस्य सुशील कुमार रिंकू ने आज अलग-अलग धार्मिक स्थानों में नतमस्तक होते हुए हलके की शान्ति, तरक्की और ख़ुशहाली के लिए दुआ की। संसद मैंबर ने हलका आदमपुर के गाँव निज़ामदीनपुर में बाबा मेहर शाह जी की दरगाह, मोहल्ला सागरां में बाबा कुर्बान शाह जी की दरगाह, गाँव कपूर में पीर बाबा नौं गजा सरकार जी की दरगाह, गाँव पातरा में मेला बाबा ग्यारहवीं वाली सरकार, गाँव मुजफ्फरपुर में बाबा दुरगाही शाह जी और जालंधर में मेला कोट राम दास जी में नतमस्तक होते हुए जालंधर हलके के लोगों की पूरी विनम्रता, निष्ठा और शिद्दत से सेवा करने के लिए दुआ की।

धार्मिक स्थानों में समागमों में शिरकत करते हुए उन्होंने कहा कि इन धार्मिक स्थानों पर नतमस्तक होकर उनके मन को बहुत शान्ति मिली है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक समागम समूची मानवता को मार्गदर्शन देने में अहम भूमिका निभाते हैं।

यूसीसी पर समर्थन करने के लिए बाजवा और राजा वडिंग ने 'आप' की आलोचना की

'बी टीम' के रूप में आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर अपने मालिक का अनुसरण करने का फैसला किया है: विपक्ष के नेता

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को सैद्धांतिक समर्थन दिए जाने के बाद पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ओर राजा वडिंग ने आप पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा नीत केंद्र सरकार 2024 के आम चुनावों से पहले सांप्रदायिक एजेंडा लागू कर रही है और आप इसका समर्थन कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा और राजा वडिंग ने कहा कि समान नागरिक संहिता को लोगों पर कभी नहीं थोपा जाना चाहिए क्योंकि भारत का संविधान विभिन्न धर्मों और नस्लों के लोगों की

विविधता और व्यक्तिगत अधिकारों का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि अगर समान नागरिक संहिता लागू होती है तो अल्पसंख्यक समुदायों को इसका सामना करना पड़ेगा।

बाजवा ने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करने से देश का शांतिपूर्ण माहौल खराब हो सकता है और इसके परिणामों के लिए आम आदमी पार्टी भी जिम्मेदार होगी। उन्होंने कहा, 'यूसीसी की तैयारियों से भाजपा बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई से निपटने में अपनी नाकामी से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है. भाजपा हिंसा प्रभावित मणिपुर में भी शांति बहाल करने में नाकाम रही है। इस बीच, 2024 के आम चुनावों से पहले अपने वोट बैंक को मजबूत करने के एजेंडे के साथ, भाजपा अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों का उल्लंघन कर रही है। साथ ही, बहुसंख्यक समुदाय के कुछ वर्ग भी प्रभावित होंगे। बाजवा ने एक बयान में आप से पूछा कि उसे भाजपा की 'बी टीम' क्यों नहीं कहा जाना चाहिए जब वह अपने बॉस भाजपा की लाइन पर चल रही है।

उन्होंने कहा, ''इससे पहले अगस्त 2019 में आप ने भाजपा नीत केंद्र सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया था जब भाजपा ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त कर दिया था और पूरे राज्य जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। लेकिन अब 'झाड़ू पार्टी' (आप) संघवाद पर कटाक्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि आप ने सीएए पर भी भाजपा को अपना समर्थन दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल कभी भी शाहीन बाग नहीं गए, जहां सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, 'सिख बहुल राज्य पंजाब आप को इतने बड़े जनादेश के साथ सत्ता में लेकर आया। आम आदमी पार्टी ने समान नागरिक संहिता पर अंतिम निर्णय लेते समय पंजाबियों को विश्वास में लेने की इच्छा क्यों नहीं महसूस की? जिस तरह से आम आदमी पार्टी निरंकुश तरीके से इतने महत्वपूर्ण फैसले लेती है, उससे पता चलता है कि 'आप' पार्टी के भीतर लोकतंत्र के सिद्धांतों का पालन नहीं करती है।"

बाजवा ने कहा कि खास बात यह है कि आप ने समान नागरिक संहिता पर यह रुख तब अपनाया जब भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के नवीनीकरण में कथित 'प्रशासनिक और वित्तीय' अनियमितताओं का विशेष ऑडिट कराने का फैसला किया।

बारिश में इन जगहों की खूबसूरती में लग जाते हैं चार चांद, मानसून में करें एक्सप्लोर

YATRA

बारिश के मौसम में कपल्स एक दूसरे के साथ घूमने की प्लानिंग करते हैं। पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए कोई रोमांटिक डेस्टिनेशन देख रहे हैं तो करें इन जगहों को एक्सप्लोर...

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

बारिश के मौसम का मतलब कपल्स के लिए रोमांस और पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताना है। अगर आप उन लोगों की लिस्ट में शुमार हैं जो पूरे साल इस मौसम का इंतजार करते हैं और फिर किसी रोमांटिक डेस्टिनेशन पर पार्टनर संग घूमने जाते हैं तो अब वो समय आ गया है। दिल्ली समेत कई जगहों पर बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया है। इस मौसम में आप पार्टनर के साथ इन जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं।

रानीखेत, उत्तराखंड

मानसून के दौरान इस जगह की खूबसूरती बढ़ जाती है। यहां की सुंदरता भी पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। इस जगह पर अलग-अलग शहर से लोग आते हैं। अगर आप शांति और सुकून के कुछ पल बिताना चाहते हैं तो इस जगह पर जा सकते हैं।

पहलगाम, जम्मू-कश्मीर

शेषनाग झील और लिडल नदी के संगम के बीच स्थित, पहलगाम काफी सुंदर है। यह कश्मीर के बेहद खूबसूरत शहरों में से एक है। बेताब घाटी, चंदवारी, अरु घाटी, लिडल नदी जैसी जगहों को एक्सप्लोर जरूर करें।

ओरछा, मध्य प्रदेश

मानसून का मौसम ओरछा घूमने के लिए बेस्ट है। ओरछा बेतवा नदी के तट पर बसा है। यहां पर आपको कई किले और मंदिर देखने को मिल जाएंगे। मध्य प्रदेश के इस शहर की सैर का मजा मानसून के मौसम जरूर लें।

उदयपुर, राजस्थान

गर्मी से राहत मिलने के बाद, हल्की-फुलकी बारिश में उदयपुर घूमने के लिए जा सकते हैं। इस जगह को 'झीलों के शहर' के नाम से जाना जाता है। बेहद खूबसूरत किले, रंग-बिरंगे बाजार से सजा उदयपुर महाराजाओं की लाइफस्टाइल देखने के लिए आदर्श जगह है। यहां फतेह सागर झील, पिछोला झील और कई दूसरी झीलों में बोटिंग कर सकते हैं।

FASHION+

गोल्डन बटन स्कर्ट टॉप में नोरा फतेही का किलर लुक

आईफा अवॉर्ड्स 2023 की प्रेस कान्फ्रेंस में पहुंची नोरा फतेही ने अपने लुक से एक बार फिर फैंस को घायल कर दिया है। फिटिंग की व्हाइट स्कर्ट और टॉप में वो कमाल लग रही हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

नोरा फतेही अपने गॉर्जियस लुक्स से फैंस को इंप्रेस करने का कोई मौका नहीं छोड़ती। फिर वो चाहे काम के सिलसिले में घर से बाहर निकलीं हो या फिर एयरपोर्ट पर ट्रैवल के इरादे से पहुंची हों। लेटेस्ट फोटोज उनके आईफा प्री इवेंट की है। जिसमें वो अभिषेक बच्चन, रकुल प्रीत सिंह और विकी कौशल के साथ प्रेस कान्फ्रेंस में शामिल हुई है। इस लुक की तस्वीरें नोरा ने सोशल मीडिया पर भी पोस्ट की है। जिसमे वो हमेशा की तरह ही गॉर्जियस एंड अट्रैक्टिव दिख रही हैं।

व्हाइट स्कर्ट और टॉप में चुराई महफिल

नोरा फतेही अपने कर्वी फिगर को बखूभी फ्लांट करना जानती है। तभी तो इस खास मौके के लिए सफेद रंग के को-आर्ड सेट को चुना। जिसकी टाइट फिटिंग और फैब्रिक उनके स्लिम फिट फिगर को दिखाने के लिए काफी दिख रहे थे। थ्रीफोर्थ स्लीव और वी नेकलाइन टॉप के साथ फिटिंग की काल्फ लेंथ मिडी स्कर्ट को पेयर किया गया था। जिसके बैक पर स्लिट भी ऐड थी।

हाई पोनीटेल ने बनाया खास लुक

इस सफेद स्कर्ट टॉप में नोरा का लुक परफेक्ट दिख रहा था। वहीं मैट फिनिश ब्राउन न्यूड लिपस्टिक और फ्रंट में बैंग्स के साथ हाई पोनीटेल और सॉफ्ट कर्ल हेयरस्टाइल परफेक्ट दिख रहे थे। वहीं विंग आईलाइनर और पिंक ब्लश चिक्स नोरा के इस लुक को स्टनिंग बनाने के लिए काफी दिख रहे हैं।

वहीं नोरा फतेही के इतने खूबसूरत लुक की फोटोज सामने आने के बाद फैंस भी बेकाबू हो रहे हैं और जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक फैंस ने नोरा की तारीफ में लिखा है-जलपरी लग रही हो। तो वहीं स्टनिंग और क्वीन जैसे कमेंट भी खूब कर रहे हैं।

बारिश में बनाएं टेस्टी प्रोटीन से भरपूर क्रिस्पी कटलेट

बारिश के मौसम में क्रिस्पी पकौड़ों का मजा हेल्दी तरीके से लेना है तो चने की दाल में अरहर की दाल मिलाकर टेस्टी कटलेट बनाकर तैयार करें। इसकी रेसिपी बिल्कुल आसान है।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

बारिश का मौसम आते ही पकौड़ों की याद सताती है। चाय के साथ गर्मागर्म पकौड़े हर किसी को पसंद आते हैं। लेकिन अगर आप कुछ हेल्दी और टेस्टी ऑप्शन खोज रही हैं तो दाल से बने कटलेट बेस्ट रहेंगे। बच्चे हो या बड़े, सबको ये कटलेट पसंद आएंगे। प्रोटीन और न्यूट्रिशन से भरपूर दाल की मदद से इन कटलेट को तैयार करें।

अरहर की दाल को अक्सर घर में कम पसंद किया जाता है तो आप चाहें तो इस कटलेट में अरहर की दाल को चने की दाल के साथ मिक्स कर बना सकती है। तो चलिए जानें क्या है रेसिपी।

क्रिस्पी कटलेट बनाने की सामग्री

- आधा कप चने की दाल
- तीन चम्मच अरहर की दाल
- एक कप उड़द की दाल
- 1 कप पालक कटा हुआ
- धनिया की पत्तियां कटी हुई
- प्याज बारीक कटा हुआ
- करी पत्ता
- दो हरी मिर्च
- एक चम्मच सौंफ
- एक चुटकी हींग
- नमक स्वादनुसार
- चावल का आटा

कटलेट बनाने की विधि

सबसे पहले चना दाल, अरहर दाल और उड़द की दाल को अच्छी तरह से धो लें। फिर इसे पानी में करीब दो से तीन घंटे के लिए भिगो दें। जब ये भीग जाएं तो इसका पानी छान लें। ग्राइंडर में डालकर बिना पानी के इन सारी दाल को मिक्स कर दरदरा पेस्ट तैयार कर लें।

अब इस पेस्ट को किसी बाउल में निकाल लें। इस पर चावल का आटा डालें और मिक्स करें। साथ में बारीक कटे पालक के पत्ते, धनिया का पत्ता, हींग, नमक, सौंफ, लाल मिर्च, हरी मिर्च, प्याज डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।

हाथों में तेल लगाएं और इस पेस्ट को मिक्स करने के बाद छोटे आकार के बॉल बनाएं। फिर इन्हें उंगलियों की मदद से चपटाकर कटलेट का शेप दें।

आप चाहें तो इन्हें तेल में डीप फ्राई करें या फिर 200 डिग्री सेल्सियस पर इसे बेक भी किया जा सकता है। बस रेडी हैं गर्मागर्म चाय के साथ क्रिस्पी कटलेट।

बारिश के बाद बढ़े मच्छरों से बच्चों को हो सकता है खतरा, यूं करें बचाव

PARENTING

दिल्ली, पंजाब समेत कई जगहों पर बारिश की वजह से मौसम बदल गया है। हालांकि, मच्छर तेजी से पनपने लगे हैं। इन मच्छरों से बच्चों का यूं करें बचाव।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

दिल्ली, पंजाब समेत कई जगहों पर लोगों को गर्मी से तो राहत मिल गई है, लेकिन बारिश की वजह से जगह-जगह जलभराव भी हो गया है। इस मौसम में एक समस्या जो सबसे ज्यादा बढ़ जाती है वह है मच्छरों की। दरअसल, बारिश में भरे पानी में मच्छर जल्दी पनपने लगते हैं। इन मच्छरों से सभी को खतरा रहता है। ऐसे में बचाव करना बेहतर है। यहां जानिए, बच्चों को मच्छरों से कैसे बचाएं।

मॉस्किटो रेपेलेंट का इस्तेमाल

बच्चों को मच्छरों से बचाने के लिए आप मॉस्किटो रेपेलेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे लगाने के लिए हमेशा प्रॉडक्ट के पीछे लिखे यूज करने के तरीके को देखें। ये रेपेलेंट पूरी तरह से सेफ होते हैं अगर इनका सही तरह से इस्तेमाल किया जाए। बाहर निकलने से पहले इसे लगा रहे हैं तो ध्यान रखें की पहले सनस्क्रीन लगाएं। क्योंकि इस रेपेलेंट के ऊपर आपको कुछ लगाने की जरूरत नहीं है। इसके अलावा इसे स्किन पर नहीं बल्की कपड़ों पर लगाया जाता है। आप किसी नैचुरल रेपेलेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

छोटे बेबी को मच्छर से कैसे बचाएं

अगर बच्चे का दो महीने से छोटा है तो इसपर रेपेलेंट का इस्तेमाल ना करें। आप अपने डॉक्टर की सलाह लेने के बाद ही इस्तेमाल करें।अगर बेबी को झूले में कही लेकर जा रही हैं तो उसे हमेशा नेट से कवर करें। छोटे बच्चों के ऊपर रेपेलेंट का इस्तेमाल कर रहे हैं तो पहले अपने डॉक्टर की सलाह लें।

सही कपड़े पहनाएं

बारिश के दिनों में बच्चों को ऐसे कपड़े पहनाएं जिससे उनका शरीर पूरी तरह से कवर कर सकें। बच्चों को फुल आस्तिन की टीशर्ट और पजामा पहनाएं। इसी के साथ बच्चे को बाहर लेकर जाएं तो उसे चप्पल की जगह जूते पहनाएं।

इन बातों का भी रखें ख्याल

- अगर बच्चे के प्ले टाइम के लिए आप उसे पार्क ले जाती हैं। तो देखें कि बच्चा किसी ऐसी जगह पर ना खेले जहां पानी भरा हो। क्योंकि ऐसी जगहों पर मच्छर पनपते हैं और उनके काटने का खतरा सबसे ज्यादा होता है।
- घर के अंदर भी आपको मच्छरों से बचाव करना होगा। बच्चे के कमरे की खिड़की को बंद रखें। साथ ही घर में मच्छर भगाने वाले मॉस्किटो रेपेलेंट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मुंह की बदबू से लेकर दांतों की सफेदी के लिए ऐसे करें फिटकिरी का इस्तेमाल

HEALTH CARE

दांतों की कई सारी समस्याओं का इलाज है फिटकिरी। पीले दांतों की समस्या से लेकर मुंह से आने वाली बदबू के लिए फिटकिरी को इस्तेमाल किया जा सकता है।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

फिटकिरी का इस्तेमाल केवल शेविंग किट में ही नहीं किया जाता बल्कि ये और भी काफी सारे काम में आ सकती है। इसकी मदद से ना केवल स्किन की प्रॉब्लम को दूर किया जा सकता है बल्कि ये दांतों की सेहत के लिये भी फायदेमंद है। अगर आप दांतों की किसी भी समस्या से परेशान हैं तो फिटकिरी को यूज करके देखें। ये मुंह से आने वाली बदबू को दूर भगाने के साथ ही पीले दांतों को चमकाने में भी मदद करेगी। तो चलिए जानें एक फिटिकरी के पूरे सात फायदे और कैसे करें फिटकिरी को इस्तेमाल।

दांतों में दर्द

कई बार दांतों में दर्द होने लगता है जो काफी असहनीय होता है। दांतों में दर्द अक्सर परेशान कर देता है तो फिटकिरी के पाउडर का इस्तेमाल करें। दांत दर्द की समस्या में आराम मिलेगा। फिटकिरी के पाउडर को दर्द वाले दांत में लेकर रगड़ दें। इससे दांतों का दर्द कम हो जाएगा।

मुंह की बदबू के लिए है काम की फिटकिरी

मुंह से आने वाली बदबू अक्सर शर्मिंदगी का कारण बन जाती है। ऐसे में फिटकिरी की मदद से इससे निजात पाया जा सकता है। बस पानी में फिटकिरी को घोल लें। रोजाना ब्रश के बाद इस पानी से कुल्ला करें। मुंह से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए रोजाना कुल्ला करें। कुछ ही दिनों ये समस्या कम हो जाएगी।

नेचुरल माउथवॉश

फिटकिरी पानी को घोलकर किसी शीशी में भरकर रख लें। रोजाना इसे माउथवाश की तरह इस्तेमाल करें। ये दांतों को बैक्टीरिया फ्री रखने और मसूड़ों की सेहत सही रखने में मदद करेगा।

मुंह के छालों में मिल सकती राहत

मुंह में छाले बहुत सारे लोगों को परेशान करते हैं। कई बार ये छाले घाव का रूप ले लेते हैं और काफी दर्द करते हैं। इस तरह की समस्या होने पर फिटकिरी को पीसकर पाउडर बना लें। फिर इस पाउडर को घाव या छाले वाली जगह पर लगाएं। कुछ दिनों तक इसे लगातार लगाने से मुंह के घाव को ठीक होने में मदद मिलती है।

मसूड़ों से खून आने पर

मसूड़ों से खून आने की समस्या अक्सर पायरिया का लक्षण होता है। जिसमे फिटकिरी फायदेमंद होती है। एक गिलास गर्म पानी में फिटकिरी को घोल लें। साथ में सेंधा नमक डालें और दिनभर में तीन से चार बार कुल्ला करें। मसूड़ों से खून निकलने की समस्या से राहत मिलेगा।

पीले दांतों के लिए फिटकिरी

दांत अगर पीले हो गए हैं तो फिटकिरी के पाउडर में सेंधा नमक मिलाएं और सरसों के तेल में पेस्ट बनाकर इससे दांतों को रगड़ें। रोजाना दो बार दांतों की इस पेस्ट से सफाई करने से कुछ ही दिनों में दांतों के पीलेपन से छुटकारा मिल जाएगा।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने खेल प्रोत्साहन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए बीएसएफ परिसर में अत्याधुनिक एस्ट्रो टर्फ का उद्घाटन किया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

खेल को बढ़ावा देने के लिए सरकार के अटूट समर्पण को उजागर करने वाले एक महत्वपूर्ण अवसर पर, माननीय युवा मामले और खेल तथा सूचना और प्रसारण मंत्री, अनुराग ठाकुर ने आज जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय में एक अत्याधुनिक एस्ट्रो टर्फ का उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक सिंथेटिक टर्फ सुविधा विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करने और खेल उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जब मंत्री ने नए एस्ट्रो टर्फ पर औपचारिक पहला शॉट लिया, तो जालंधर के खेल समुदाय और बीएसएफ कर्मियों ने खुशी प्रकट की, यह इस क्षेत्र में खेलों के लिए एक रोमांचक युग की शुरुआत का प्रतीक है। इसके बाद हुए मैत्रीपूर्ण मैच में बीएसएफ एथलीटों के कौशल और सौहार्द्र का प्रदर्शन हुआ, जो जालंधर के खेल प्रतिभा पूल के भीतर मौजूद अपार संभावनाओं को दर्शाता है। लगभग छह करोड़ रुपये की लागत से तय समय से पहले पूरा हुआ एस्ट्रो टर्फ, सरकार की खेल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कुशल कार्यान्वयन का प्रमाण है। मीडिया से बात करते हुए, अनुराग सिंह ठाकुर ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा, "खेल समग्र विकास के लिए उत्प्रेरक हैं, और भारत सरकार हमारे प्रतिभाशाली एथलीटों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और अवसर प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यह एस्ट्रो टर्फ उद्घाटन खेलों को बढ़ावा देने और हमारे खेल समुदाय की विशाल क्षमता का पोषण करने के लिए हमारे समर्पण का प्रतीक है।"

इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल, आईपीएस, और बीएसएफ के महानिरीक्षक, पंजाब फ्रंटियर, जालंधर, अतुल फुलज़ेले को उनके असाधारण नेतृत्व और बीएसएफ और स्थानीय समुदाय के भीतर खेलों को बढ़ावा देने में अटूट समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने न केवल अपने सुरक्षा कर्तव्यों में बल्कि खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता के लिए बीएसएफ की सराहना की।

उन्नत तकनीक और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हुए निर्मित अत्याधुनिक एस्ट्रो टर्फ सुविधा, क्षेत्र में महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगी। यह न केवल उन्हें विश्व स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करेगा बल्कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों को भी आकर्षित करेगा, जिससे जालंधर की खेल संस्कृति एक पायदान ऊपर उठेगी। इस बुनियादी ढांचे में सरकार का निवेश एथलीटों को उत्कृष्टता हासिल करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है और वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में भारत की क्षमता को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

बिपरजॉय से सुनियोजित और समन्वित तरीके से निपटना एक विलक्षण उपलब्धि

बेहद भीषण चक्रवाती तूफान बिपरजॉय 15 जून की शाम 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कच्छ के समुद्र तट से टकराया और उसने पूरे गुजरात और राजस्थान में भारी तबाही मचाई। प्रकृति के ऐसे प्रकोप के सामने आपदा रोधी प्रणाली की एकमात्र उपलब्धि यही रही कि गुजरात में इस तूफान के टकराने के बाद एक भी व्यक्ति की जान नहीं गई। यह ऐसी भयावह आपदाओं का सामना करने की दिशा में राष्ट्र की क्षमता में उत्तरोत्तर हो रही वृद्धि का प्रमाण है, क्योंकि इससे पहले 1999 में ओडिशा में आए सुपर चक्रवात में 9,887 और 2020 में आए सुपर चक्रवात अम्फान में 128 लोगों की मौत हुई थी। बिपरजॉय से सुनियोजित और समन्वित तरीके से निपटना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है जिसका विश्लेषण और पुनरावृत्ति करने की आवश्यकता है। भारत द्वारा एक के बाद एक तीन बड़ी आपदाओं- 1999 में ओडिशा में आया सुपर चक्रवात, 2001 में कच्छ में आया भूकंप और 2004 में आई सुनामी- का सामना किए जाने के बाद राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के समर्पित ढांचे की स्थापना की गई।

इस बात का अहसास होने पर कि शमन, जोखिम में कमी और आपदा से निपटने की दिशा में किए गए प्रयास आपदा के समय लाभप्रद रहते हैं, ऐसी भीषण आपदाओं से निपटने की हमारी क्षमता में सुधार लाने पर व्यापक ध्यान दिया जा रहा है। यह इस बात के मद्देनजर भी उचित है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे अधिक आपदाओं की आशंका वाला देश है। केंद्र सरकार ने 2006 में आठ बटालियनों के साथ स्थापित किए गए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की क्षमता को विशेष रूप से मजबूती प्रदान की है और अब इसकी बटालियनों की संख्या बढ़कर सोलह हो गई है। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने विशेष रूप से पिछले कुछ वर्षों में आपदा संबंधी तैयारियों और इससे निपटने की कार्रवाई की व्यक्तिगत निगरानी करते हुए भारत को आपदा प्रतिरोधी बनाने पर बहुत जोर दिया है। प्रधानमंत्री ने 2016 में दिल्ली में एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में अपने द्वारा प्रतिपादित 10 सूत्री कार्यक्रम और आपदा रोधी अवसंरचना के लिए केंद्र की स्थापना के द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण का एक विजन भी प्रदान किया; इस पहल में 40 से अधिक देश पहले ही शामिल हो चुके हैं। बिपरजॉय का सफलतापूर्वक सामना करने में आपदा से निपटने की तैयारी में किसी भी तरह की खामी न होने ने भी योगदान दिया। अरब सागर के पार बिपरजॉय की असामान्य धीमी प्रगति ने हमें इसके लिए पर्याप्त समय दिया। देश के सर्वोच्च पदाधिकारियों की देखरेख और उनके निरंतर प्रोत्साहन और प्रेरणा की

जालंधर ब्रीज

अतुल करवाल
(आईपीएस, महानिदेशक, एनडीआरएफ द्वारा)

बदौलत एनडीआरएफ दुनिया में अपने आप में परिपूर्ण, साल भर सक्रिय, समर्पित आपदा मोचन बल की एक ऐसी अनूठी मिसाल बन चुका है, जिसके पास अब सभी प्रकार की मानव निर्मित और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावशाली रूप से निपटने का सामर्थ्य मौजूद है। यह इस साल 6 फरवरी को तुर्किये में आए विनाशकारी भूकंप में हमारी ओर से की गई प्रतिक्रिया से भी प्रदर्शित हुआ, जब भारत सबसे त्वरित प्रतिक्रिया देने वाले देशों में से एक रहा। इतना ही नहीं, एनडीआरएफ के 152 बचावकर्मियों और पैरा फील्ड अस्पताल के 99 कर्मियों के साथ भारत का दस्ता सबसे विशालतम दस्ता था। प्रशंसा की पात्र है भारतीय वायु सेना; उसके कुशल पायलट और विमान, जिन्होंने हमारे वाहनों तक को तुर्किये पहुंचाया, जिनकी बदौलत हमारे एनडीआरएफ के बचावकर्मी वहां पहुंचने के साथ ही मामूली स्थानीय मदद से सहायता कार्य में जुट गए। एनडीआरएफ टीमों की अग्रिम तैनाती और अन्य केंद्रीय एजेंसियों और रक्षा बलों की तैयारियों के अलावा, गुजरात सरकार की गहन योजना भी बिपरजॉय में सफलता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण रही। यह संभवत: अकेला सबसे महत्वपूर्ण कारण रहा और इसमें पारंपरिक और अभिनव उपाय भी शामिल रहे। अंतिम असुरक्षित व्यक्ति तक असुरक्षित आबादी की पहचान की गई और 1,43,053 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पेड़ों को उखड़ने से बचाने के लिए उनकी कांट-छांट की गई और 4,317 होर्डिंग्स को उतार दिया गया, ताकि उन्हें तेज रफ्तार हवाओं की चपेट में आकर टूटने और उड़ने वाली घातक वस्तुओं में तब्दील होने से रोका जा सके। ऐसी 1,152 गर्भवती महिलाओं को ऐहतियात के तौर पर पहले ही अस्पतालों में भर्ती करा दिया गया, जिनके प्रसव का समय चक्रवात के समय ही नियत था और चक्रवात के दौरान 707 बच्चों का जन्म सुरक्षित वातावरण में हुआ। बेहद सख्त प्रशासन तंत्र ने लोगों को उनके घरों के अंदर और जोखिम भरे आचरण करने से दूर रखा। यह सब एनडीआरएफ की 18 और एसडीआरएफ की 12 टीमों की अग्रिम तैनाती से संभव हो सका, जिन्होंने क्या करें और क्या न करें के बारे में जागरूकता फैलाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए राजी करने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर चौबीसों घंटे काम किया। इन टीमों ने चक्रवात के दौरान और उसके बाद स्थिति को जल्द से जल्द सामान्य बनाने के लिए भी काम किया। ऐसी भीषण आपदा से इतने सुनियोजित और समन्वित तरीके से निपटने, एक भी इंसान की मृत्यु नहीं होने देकर जो मानक स्थापित किया गया है, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। इसके प्रमुख कारकों में,जिनकी सराहना प्रधानमंत्री ने की है- सामुदायिक जागरूकता, हर प्रत्याशित घटना के लिए गहन योजना और समय से पहले की गई कार्रवाई शामिल है। इस सफलता की पुनरावृत्ति के लिए राज्यों को साल भर सक्रिय रहने वाली, समर्पित, सुसज्जित और प्रशिक्षित एसडीआरएफ की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता की भी आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी आपदाएं बढ़ती जा रही हैं; 1980-1999 की अवधि के दौरान दर्ज की गई 4,212 आपदाओं की तुलना में 2000-2019 की अवधि में 7,348 आपदाएं दर्ज की गईं। इनसे निपटने की तैयारी करने के लिए एनडीआरएफ की ओर से एसडीआरएफ की क्षमता निर्माण और अपने स्कूल सुरक्षा कार्यक्रमों और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता फैलाने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। एनडीआरएफ अपनी क्षमता में सुधार लाने का निरंतर प्रयास करता है तथा राष्ट्र और समूची मानवता के लिए अपनी सेवाएं समर्पित कर गौरवान्वित महसूस करता है।

भारत और अमेरिका की प्रौद्योगिकी संचालित समान सहयोग के युग की शुरुआत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल ही में समाप्त हुई संयुक्त राज्य अमेरिका यात्रा इस अर्थ में ऐतिहासिक है कि इसने आने वाले वर्षों के लिए भारत को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया है। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका प्रौद्योगिकी संचालित समान सहयोग के युग में प्रवेश कर रहे हैं और यह सहयोग उस यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है, जिसके बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है, "आकाश ही सीमा नहीं है।"

वास्तव में, इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है, जिन्होंने पिछले 9 वर्षों के दौरान कई गैर-परंपरागत और नयी राह दिखाने वाले अभिनव निर्णय लिए, जिनकी वजह से भारत प्रमुख क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ने में सक्षम हुआ। उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका, जिसने भारत से कई वर्ष पहले अपनी अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत की थी, आज भारत को अपने भविष्य के प्रयासों में एक समान भागीदार के रूप में आमंत्रित करता है।

21 जून को वाशिंगटन स्थित विलार्ड इंटर-कॉन्टिनेंटल होटल में एक समारोह के दौरान, भारत आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला 27वां देश बन गया।

आर्टेमिस समझौता, शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए राष्ट्रों के बीच नागरिक अंतरिक्ष अन्वेषण सहयोग का मार्गदर्शन करने के लिए सिद्धांतों के एक व्यावहारिक समूह की स्थापना करता है। यह भारत को चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों की खोज के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले आर्टेमिस कार्यक्रम में भाग लेने में सक्षम बनाता है। ध्यान देने योग्य है कि यह समझौता अंतरिक्ष क्षेत्र में, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स से संबंधित महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के आयात से जुड़े प्रतिबंधों में छूट देने का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे भारतीय कंपनियों को अमेरिकी बाजारों के लिए प्रणाली विकसित करने और नवाचार करने में लाभ होगा। यह अन्य वैज्ञानिक कार्यक्रमों में भारत को संयुक्त रूप से भागीदार बनने की सुविधा प्रदान करेगा, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रमों समेत विभिन्न गतिविधियों में दीर्घकालिक सहयोग के लिए सामान्य मानकों तक पहुंच की अनुमति देगा और माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स, क्वांटम, अंतरिक्ष सुरक्षा आदि रणनीतिक क्षेत्रों में अमेरिका के साथ मजबूत भागीदारी की सुविधा प्रदान करेगा।

जालंधर ब्रीज

डॉ. जितेंद्र सिंह
(राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

आर्टेमिस समझौता एक गैर-बाध्यकारी समझौता है, जिसके तहत कोई वित्तीय प्रतिबद्धता नहीं है। इस समझौते पर 13 अक्टूबर, 2020 को आठ संस्थापक राष्ट्रों -ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इटली, जापान, लक्ज़मबर्ग, यूएई, यूके और संयुक्त राज्य अमेरिका ने हस्ताक्षर किए थे। इसके सदस्यों में जापान, फ्रांस, न्यूजीलैंड, यूके, कनाडा, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और स्पेन जैसे पारंपरिक अमेरिकी सहयोगी देश शामिल हैं, जबकि रवांडा, नाइजीरिया जैसे अफ्रीकी देश नए भागीदार हैं।

आइए, यह समझने की कोशिश करें कि आर्टेमिस समझौते में शामिल होने से भारत को क्या लाभ होगा। एक अनुमान के मुताबिक, अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए वैश्विक सरकारी खर्च पिछले साल लगभग 103 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। लगभग 62 बिलियन डॉलर के साथ, अमेरिकी सरकार ने अकेले कुल धनराशि का आधे से अधिक खर्च किया। अमेरिका के बाद चीन ने लगभग 12 बिलियन डॉलर खर्च किये, जो इस समूह का हिस्सा नहीं है। रूस 3.4 बिलियन डॉलर के वार्षिक खर्च के साथ 5वें स्थान पर है। भारत 1.93 बिलियन डॉलर के वार्षिक बजट के साथ 7वें स्थान पर है।

आइए, हम वर्ष 2022 में ऑर्बिटल लॉन्च की संख्या के आधार पर विभिन्न देशों के अंतरिक्ष कार्यक्रमों की तुलना करते हैं। पेलोडस्पेस वेबसाइट कहता है कि पिछले साल 186 ऑर्बिटल लॉन्च के प्रयास किये गए, जिनमें अमेरिका ने 76, चीन ने 62, रूस ने 21 और भारत ने 5 ऑर्बिटल लॉन्च किए। अब, हम तीसरे प्रमुख मानक - अंतरिक्ष में उपग्रहों की संख्या - की तुलना करते हैं। उपग्रहों की निगरानी करने वाली वेबसाइट, "ऑर्बिटिंग नाउ" के अनुसार, 4 मई 2023 तक, विभिन्न पृथ्वी कक्षाओं में 7,702 उपग्रह सक्रिय थे। अमेरिका के पास अधिकतम 2,926 सक्रिय उपग्रह हैं, इसके बाद चीन - 493, यूके - 450, रूस - 167 आते हैं, जबकि भारत 58 उपग्रहों के साथ 8वें स्थान पर है।

भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम छह दशक पुराना है और इसके सात साल बाद, 1969 में इसरो की स्थापना हुई। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग इसरो की पहचान रही है तथा इसने रूस की रुस्कोस्मोस और यूरोप की ईएसए जैसी विभिन्न लॉन्च एजेंसियों के साथ सहयोग किया है। इसरो ने 34 से अधिक देशों के 385 से अधिक विदेशी उपग्रह लॉन्च किए हैं।

2014 से पहले, इसरो कभी-कभार उपग्रह लॉन्च करता था, लेकिन पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी की शुरुआत के बाद, आज इसरो लगभग 150 निजी स्टार्टअप के साथ काम कर रहा है। सुदूर अंतरिक्ष मिशनों के लिए अरबों डॉलर की आवश्यकता होती है और इससे पूरी मानवता लाभान्वित होती है। इसलिए, यह जरूरी है कि राष्ट्र मानवता के लाभ के लिए अपने संसाधनों का उपयोग करें। बिना समय गंवाए, समान विचारधारा वाले देशों को आगे आना होगा, सहयोग करना होगा और एक-दूसरे के लाभ और अनुभवों पर काम करना होगा, जैसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जोर देकर कहा है, "हमें अलग-थलग होकर काम नहीं करना चाहिए!"।

सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन पर माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के लिए ऑप एड

हिंदुस्तान विविधताओं का देश है और विविधताओं में एकता यह हमारी पहचान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इन विविधताओं को सजोएं रखने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत का मंत्र दिया है। हम एक ऐसे भारत की कल्पना को आगे बढ़ा रहे हैं, जहां पर एक - एक भारतीय को गुणवत्ता युक्त जीवन की चिंता की जाती है। समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक देश की आधुनकि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचा पाएं, इसके लिए भारत सरकार की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत में, लगभग 706 विभिन्न जनजातियाँ हैं, जो कुल जनसंख्या का 8.6% हैं। हमारी जनजातीय आबादी हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है। भारत के माननीय प्रधान मंत्री, नरेंद्र मोदी जी ने कहा है, " भारत का अतीत, वर्तमान और भविष्य आदिवासी समुदाय के बिना कभी भी पूरा नहीं होगा।" भारत सरकार जनजातीय नैतिक मूल्य प्रणालियों, परम्पराओं, सामाजिक-आर्थिक स्थितियों और जनजातीय संगठनों का समुचित संज्ञान लेकर राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में जनजातीय आबादी के स्वास्थ्य और विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। भारत की जनजाति आबादी में सिकल सेल रोग एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है। Sickle Cell एक आनुवांशिक बीमारी है, जिसमें व्यक्ति के रक्त कणों को आकार विकृत होकर दराती जैसा हो जाता है। यह बीमारी सामान्यत: आदिवासी जनजाति में पाई जाती है। यह रोग हमारी जनजातियों के भविष्य और अस्तित्व के सामने बहुत बड़ा खतरा है, इस रोग के प्रसार को समय पर रोकना अनिवार्य है। इस अनुवांशिक बीमारी को रोकने के लिए अभी तक जितने प्रयास होने चाहिए थे, उतने प्रयास पिछले सरकारों में नहीं हुए हैं, जिसके कारण दुनिया के अन्य देश जैसे कि इटली, जापान इत्यादि ने इस रोग पर काबू कर लिया है लेकिन भारत आज भी इस रोग से लड़ रहा है। मैं खासतौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार प्रकट करना चाहूंगा जिन्होंने सिकल सेल की इस चुनौती को खत्म करने के लिए वित्त वर्ष 2023-24 के केंद्रीय बजट में, राष्ट्रीय अभियान "Sickle Cell Anaemia Elimination Mission 2047" शुरू करने की घोषणा की है। Sickle Cell बीमारी 2 तरह से इंसान के शरीर में रहती है, एक Sickle Cell trait जिसमें मरीज को कोई बीमारी या लक्षण नहीं दिखते हैं और इंसान नॉर्मल जिंदगी जीता है। दूसरे में Sickle Cell बीमारी के लक्षण पाए जाते हैं। देश के 13 राज्य राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलांगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू, केरल, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र में यह बीमारी का high prevalence है, जबकि देश के 4 राज्य बिहार, असम, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश में इसका partial prevalence है।

सिकल सेल रोग (एससीडी) से पीड़ित व्यक्ति को बहुत सारी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करता हैं, जिनमें शरीर में दर्द रहना, कमजोरी रहना और खून की कमी जैसे कारणो से मरीज का पूरा जीवन बीमारी के बीच काटता हैं। सिकल सेल

जालंधर ब्रीज

डॉ मनसुख मांडविया
(केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री)

एनिमिया रोग को खत्म करने के लिए दो पहल पर कार्य किया जा रहा है। जिसमें पहला है - इस रोग की रोकथाम, ताकि आगे नए मरीज पैदा न हो और जो मरीज है उसके उपचार प्रबंधन और अच्छे स्वास्थ्य सुविधा कैसे उपलब्ध हो उसके लिए पूरा इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। अगर दो ऐसे इंसान शादी करते हैं, जो दोनों Sickle Cell trait हैं, तो उनसे पैदा होने वाला बच्चा Sickle Cell बीमारी होने की संभावना बहुत है। अगर पहले से ही Sickle Cell का स्क्रीनिंग करके ऐसे 2 लोगों को शादी करने से रोका जाए तो यह बीमारी का प्रसार रूक सकता है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जनजातीय मंत्रालय और राज्यों के साथ मिलकर अगले 2-3 साल में देश के 17 राज्यों के लगभग 200 जिलों में बस रही आदिवासी व अन्य समूह की 0-40 साल से कम आयु वाली 7 करोड़ जनसख्या को 3 साल में स्क्रीनिंग कर अमृतकाल में 2047 तक Sickle Cell बीमारी को खत्म करने की योजना बनाई है। स्क्रीनिंग के बाद सभी को उनकी स्थानीय भाषा में स्मार्ट कार्ड दिया जाएगा, जिससे शादी करने वाले लड़का और लड़की को आसानी से पता चल सकेगा कि शादी के बाद होने वाले बच्चें सिकल सेल से ग्रस्त होगें या नहीं। इस पूरे कार्यक्रम को चलाने के लिए, जनभागीदारी को सुनिश्चित करने और बड़े पैमाने पर जागरूकता लाने के लिए अलग अलग स्तर पर मॉनिटरिंग मेकेनिज्म बनाया जाएगा। स्क्रीनिंग में बीमार पाए जाने वाले लोगों को नियमित रूप से टेस्टिंग हो, उपचार और दवाई मिले, अन्य रोगों की वैक्सीन लगे, डाइट सपोर्ट मिले और समय - समय पर काउंसिलिंग की सुविधा मिलती रहे, वह भी सुनिश्चित किया जाएगा। इस रोग से लड़ने के लिए सरकार ने पर्याप्त बजट आवंटन, उच्च तकनीक का इस्तेमाल, स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षण, जरूरी इंफ्रास्ट्रचर, सामाजिक जागृति और सामाजिक हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने के प्रयास किये हैं। यह एक मजबूत इच्छाशक्ति और नीतिगत फैसलों का परिणाम है। पहले से ही देश में आयुष्मान भारत योजना के जरिए, देश में 1.60 लाख हेल्थ एण्ड वैलनेस सेंटर का पूरा नेटवर्क 2014 के बाद तैयार किया गया है, जिसके जरिये हमने कोविड जैसी महामारी से लड़ाई लड़ी। यह सेंटर बाकि रोगों के साथ सिकल सेल रोग को खत्म करने में भी एहम भूमिका निभाएंगे। हमने सिकल सेल के मरीजो को बेहतर इलाज देने के लिए इन सेंटर में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित कर लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 27 जून, 2023 को सिकल सेल एनिमिया उन्मूलन मिशन की लॉन्चिग मध्य प्रदेश से करेंगे। यह पहल सिकल सेल एनिमिया की लड़ाई को बहुत मजबूती प्रदान करेगी। सिकल सेल के मरीजों का पूर्ण रूप से ट्रेकिंग करने के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए एक वेब पॉर्टल बनाया गया है, जिसमें उन मरीजों का परमानेंट रिकार्ड रहेगा। मुझे विश्वास है कि यह मिशन वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनिमिया के उन्मूलन का मार्ग प्रसश्त करेगा और भारत की जनजाति आबादी जो यह देश की विरासत को संजोए रखी है, वह आबादी का अस्तित्व सुरक्षित हो जाएगा।

नीली रावी की पैडिगरी सिलैक्शन स्कीम में पंजाब देशभर में तीसरे स्थान पर : गुरमीत सिंह खुड्डियां

चंडीगढ़. पंजाब के पशु पालन, डेयरी विकास और मछली पालन मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि राज्य ने नीली रावी की पैडिगरी सिलैक्शन स्कीम में देश भर में से तीसरा स्थान हासिल किया है। इस देसी नस्ल को सूबे में प्रफुलित करने के लिए नीली रावी भैंसों की पैडिगरी सिलैक्शन स्कीम चलाई जा रही है।

गुरमीत सिंह खुड्डिया ने कहा कि यह बड़े सम्मान वाली बात है क्योंकि पंजाब ने नीली रावी भैंसों की पैडिगरी सिलैक्शन स्कीम में देश में से तीसरा स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही सूबे ने मुराह नस्ल की भैंसों की प्रोजनी टैस्टिंग स्कीम में पांचवा और साहीवाल गाय की प्रोजनी टैस्टिंग स्कीम में 6वां स्थान हासिल किया है। उन्होंने बताया कि पंजाब ने मुराह प्रोजनी टैस्टिंग प्रोजैक्ट का लक्ष्य पहले ही हासिल कर लिया है, जो साल 2024 में पूरा किया जाना था। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का मुख्य उद्धेश्य इन तीनों ही नस्लों की अधिक दूध देने की सामर्थ्य रखने वाली भैंसों और गऊओं में से उच्च स्तरीय नस्ल के सांड़ पैदा करना था।

डेयरी व्यवसाय के साथ जुड़े किसानों के कल्याण संबंधी मुख्यमंत्री स. भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की वचनबद्धता को दोहराते हुए स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि राज्य सरकार ने लम्पी स्किन के फैलाव को रोकने के लिए अब तक सूबे में गायों को गोट पौक्स वैक्सीन की कुल 25 लाख ख़ुराकें दी जा चुकी है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पशुओं को गलघोटू बीमारी से बचाने के लिए सूबा स्तरीय अभियान के अंतर्गत टीके लगाए जा रहे है और सूबे में मुंहखुर की बीमारी की रोकथाम के लिए वैक्सीन लगाने के लिए जल्दी ही विशेष अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि राज्य ने वच्छियां/ कट्टियां पैदा करने के लिए सैकस्ड सीमन के 75, 000 टीके भी ख़रीदे है जिससे किसानों की आमदन में बढ़ौतरी करने के इलावा नर की संभाल पर होने वाले खर्चों को घटाया जा सके। सूबे के सभी पशु अस्पतालों/ डिस्पैंसरियों में यह टीके पहले ही सस्ते दरों पर उपलब्ध करवाए जा चुके है जिसका उदेश्य भविष्य में आवारा पशुओं की समस्या से निपटने में किसानों की सहायता करना है।

पशु पालन, डेयरी विकास और मछली पालन विभाग के प्रमुख सचिव श्री विकास प्रताप ने बताया कि विभाग की तरफ से चलाए जा रहे इन तीन प्रोजैक्टों प्रोजनी टैस्टिंग मुराह, प्रोजनी टैस्टिंग साहीवाल और पैडिगरी सिलैक्शन नीली रावी के अंतर्गत विभाग के सीमन स्टेशन रोपड़ और नाभा में उच्च नसल के कट्टे/ वच्छे स्पलाई किए जा रहे है और अब तक सूबे और पूरे भारत के सीमन स्टेशनों को 536 वच्छे/ कट्टे स्पलाई किए जा चुके है। किसानों के 6 महीने से 2 साल तक के नसली वच्छों/ कट्टों की खरीद 6500 से 65000 रुपए प्रति नर के हिसाब के साथ की जाती है।

अमन अरोड़ा द्वारा राज्य स्तरीय समारोह के दौरान शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित

गांव बडरूखां के विकास के लिए सरकार की ओर से एक करोड़ देने की घोषणा की

चंडीगढ़/बडरूखां. शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की 184वीं पुण्य तिथि के अवसर पर, मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने महाराजा रणजीत सिंह के नानका गांव बडरूखां में एक राज्य स्तरीय जयंती समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने हाल ही में पंजाब सरकार द्वारा बडरूखां में स्थापित की गई महाराजा रणजीत सिंह जी की प्रतिमा पर फूलमालाएं चढ़ाकर श्रद्धा के फूल अर्पित किए। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह के पदचिन्ह बहुत गहरे, मजबूत और पवित्र हैं जिसका अंदाजा उनके शासन करने के तरीके से लगाया जा सकता है और मान सरकार हर अवसर पर उनका सम्मान करती है।

अनाज मंडी बडरूखां में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान लोगों की एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह जी ने साहसिक तरीके से सिख राज्य की स्थापना की थी जिसके बाद वह न केवल सिखों के महाराजा बने बल्कि उनकी धर्मनिरपेक्ष सोच के कारण सभी संप्रदायों के लोगों ने उन्हें अपना महाराजा बनाया। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार महाराजा रणजीत सिंह द्वारा सभी को एक समान मानने और बिना किसी भेदभाव के सभी को अधिकार और न्याय देने और सर्वांगीण विकास के सिद्धांतों पर दिन-रात एक कर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मान सरकार और उनके अधिकारी स्वयं गांवों में पहुंचकर लोगों का काम कर रहे हैं ताकि पिछली सरकारों के कार्यकाल में चलती रही लोगों को परेशान करने की रवायत को पूरी तरह से रोका जा सके।

एडीसी बिलासपुर ने मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की

पीआईबी ने बिलासपुर में मीडिया वार्तालाप का आयोजन किया

• **जालंधर ब्रीज.** शिमला

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तत्वावधान में प्रेस सूचना ब्यूरो ने बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश में एक वार्तालाप का आयोजन किया। इस आयोजन ने प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को पाटने में पारदर्शी और कुशल संचार चैनलों के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में, बिलासपुर की अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) डॉ. निधि पटेल ने उपस्थित लोगों के साथ अपनी विशेषज्ञता और अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने सूचना प्रसारित करने और प्रशासन को सेवाएं प्रभावी ढंग से प्रदान करने में सक्षम बनाने में एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। डॉ. पटेल ने पारदर्शी संचार को सुविधाजनक बनाने और सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा देने में मीडिया के योगदान को मान्यता दी। एडीसी बिलासपुर डॉ. निधि पटेल ने कहा, "मीडिया लोगों को

सेवाओं की प्रभावी डिलीवरी में प्रशासन की सहायता करता है, और पारदर्शी संचार और सार्वजनिक जागरूकता को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका को कम नहीं आंका जा सकता है।"

इस कार्यक्रम में सीबीसी चंडीगढ़ के निदेशक विवेक वैभव भी उपस्थित थे, जिन्होंने मीडियाकर्मियों को सूचना और प्रसारण मंत्रालय की संगठनात्मक संरचना के बारे में जानकारी प्रदान की। उनकी व्यापक ब्रीफिंग ने प्रभावी संचार चैनलों के माध्यम से सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला।

विवेक वैभव ने टिप्पणी की, "प्रभावी संचार जन जागरूकता की आधारशिला है, और सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से, हम प्रशासन और लोगों के बीच की दूरी को पाट सकते हैं।"

सीबीसी चंडीगढ़ की उप निदेशक संगीता जोशी ने प्रमुख सरकारी योजनाओं पर एक व्यावहारिक प्रस्तुति दी। अपनी विशेषज्ञता और ज्ञान से, उन्होंने सरकार द्वारा लागू की गई प्रभावशाली पहलों पर प्रकाश डाला। उनकी आकर्षक प्रस्तुति और योजनाओं की व्यापक समझ ने उपस्थित लोगों को प्रेरित किया और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किए गए उपायों के बारे में जानकारी दी।

चंडीगढ़ में प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के सहायक निदेशक हर्षित नारंग ने ज्ञान साझा करने और संवाद के लिए एक समृद्ध और उत्पादक वातावरण को बढ़ावा देते हुए कुशलतापूर्वक चर्चा का संचालन किया।

डिप्टी कमिश्नर ने कपूरथला, ढिलवां और सुल्तानपुर लोधी क्षेत्र में बाढ़ रोकथाम प्रबंधों का लिया जायज़ा

अधिकारियों को आपातकालीन हालातों से निपटने के लिए प्रबंधों को पहले से ही पूर्ण करने के निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला/ सुल्तानपुर/ढिलवां

डिप्टी कमिश्नर कैप्टन करनैल सिंह ने आज कपूरथला, ढिलवां और सुल्तानपुर लोधी इलाकों के धूसी बांधों का दौरा किया और आगामी मानसून सीजन के मद्देनजर बाढ़ की रोकथाम के प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने सुल्तानपुर लोधी में लाख वरहियां, मंड बाऊपुर में एडवांस तटबंध के अलाव डेरा हरि सिंह में धूसी तटबंध को मजबूत एवं नदी द्वारा कुछ स्थानों पर भूमि कटाव को रोकने के लिए लगाए जा रहे पत्थर के स्टडों के काम का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा ब्यास नदी पुल पर बने गोइंदवाल साहिब पुल का भी निरीक्षण किया गया ताकि पानी के प्रवाह में किसी भी तरह की रुकावट को पहले ही दूर किया जा सके। उन्होंने ढिलवां में ब्यास नदी पर बने धुसी बांध और जिले के विभिन्न ड्रेनेज का भी दौरा किया। डिप्टी कमिश्नर द्वारा अधिकारियों को बाढ़ रोकथाम व्यवस्था के तहत धूसी बांध पर चिह्नित कमजोर स्थानों को मजबूत करने का कार्य तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सिंचाई विभाग को पौंग डैम से छोड़े जा रहे पानी और नदी में बह रहे पानी की दैनिक रिपोर्ट देने और जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी कहा कि जिले में स्थिति पूरी तरह से सामान्य है, लेकिन एहतियात के तौर पर जिला प्रशासन ने सभी विभागीय अधिकारियों को सतर्क रहने और अग्रिम व्यवस्था करने के निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी आपातकालीन हालातों से निपटने के लिए बोरे, मिट्टी की व्यवस्था पूरी करने और यदि आवश्यक हो तो प्रभावित लोगों के आवास के लिए सरकारी भवनों, धर्मशालाओं, धार्मिक स्थलों आदि का पहले से सत्यापन करने का भी निर्देश दिया, ताकि लोगों को सुरक्षित स्थानों स्थानांतरित किया जा सके।

कैबिनेट मंत्री ने ईद पर भाईचारे को और मजबूत करने का न्योता दिया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब के स्थानीय निकाय और संसदीय मामलो के मंत्री बलकार सिंह और लोकसभा सदस्य सुशील कुमार रिंकू ने मुस्लिम समुदाय को ईद-उल-जुहा की बधाई देते इस पवित्र दिन पर आपसी एकता और भाईचारे को मजबूत करने का न्योता दिया। स्थानीय बिलाल मस्जिद और ईदगाह मस्जिद में ईद की नमाज में शामिल होते हुए कैबिनेट मंत्री और लोकसभा सदस्य ने कहा कि ईद-उल-जुहा का त्योहार ईश्वर की इच्छा के प्रति समर्पण, भक्ति, दया और सामुदायिक एकता का प्रतीक है।

उन्होंने ईद के मौके पर सभी को मिलजुलकर रहने और आपसी प्रेम का संदेश फैलाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक धर्म संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश देता है और हमें सभी धर्मों का सम्मान करते हुए संपूर्ण मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहना चाहिए।

कृषि मशीनों पर सब्सिडी के लिए 20 जुलाई तक करें अप्लाई

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब सरकार द्वारा कृषि मशीनों पर सब्सिडी मुहैया करवाने के लिए किसानों से 20 जुलाई, 2023 तक ऑनलाइन पोर्टल agrimachinerypb.com पर आवेदनों की माँग की गई है। मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. जसवंत राय ने बताया कि सब- मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाईज़ेशन (समैम) स्कीम के अधीन पैडी ट्रांसप्लांटर (धान की मशीनी बिजाई करने वाली मशीन), डी.एस.आर. ड्रिल (धान की सीधी बिजाई करने वाली मशीन), पटैटो प्लांटर-ऑटोमैटिक/सैमी ऑटोमैटिक (आलू बीजने वाली मशीन), ट्रैक्टर ऑपरेटिड बूम स्प्रेयर (ट्रैक्टर से चलने वाली बूम टाईप स्प्रेयर मशीन), पी.टी.ओ. ऑपरेटिड बंड मेकर (ट्रैक्टर पी.टी.ओ. से खेत में छोटी पगडंडी बनाने वाली मशीन), ऑयल मिल (तेल निकालने वाली मशीन), मिन्नी प्रोसैसिंग प्लांट, नर्सरी सीडर (धान की पनीरी बीजने वाली मशीन) समेत स्कीम के अधीन पोर्टल पर उपलब्ध अन्य

मशीनों की खरीद पर सब्सिडी प्राप्त करने के लिए किसान ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मुख्य कृषि अधिकारी ने आगे बताया कि आवेदन प्राप्त होने के उपरांत विभाग से प्राप्त हिदायतों के अनुसार योग्य आवेदनकर्ताओं को मशीनों की खरीद के लिए मंज़ूरी पत्र पोर्टल के द्वारा जारी किए जाएंगे, जिसके बाद किसान निश्चित समय के अंदर-अंदर विभाग द्वारा मंजूरशुदा और पोर्टल पर दर्ज पसंदीदा किसी भी मशीनरी निर्माता/डीलर से मशीन खरीद सकेंगे।

मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण का कार्य 17 अक्टूबर से प्रारंभ होगा

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

चुनाव अफसर -कम-डिप्टी कमिश्नर होशियारपुर कोमल मित्तल ने बताया कि माननीय भारत चुनाव आयोग द्वारा पात्रता दिनांक 01-01-2024 के आधार पर मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण कार्य दिनांक 17 अक्टूबर 2023 से प्रारंभ किया जा रहा है। मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 17 अक्टूबर 2023 को किया जाएगा। इसके बाद 17 अक्टूबर 2023 से 30 नवंबर 2023 तक आम जनता से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। 21 अक्टूबर 2023 (शनिवार), 22 अक्टूबर 2023 (रविवार), 18 नवम्बर 2023 (शनिवार) एवं 19 नवम्बर 2023 (रविवार) को विशेष अभियान चलाया जायेगा। इन तिथियों पर बीएलओ मतदान केंद्रों पर बैठेंगे और दावे व आपत्तियां प्राप्त करेंगे। दावे एवं आपत्तियों

का निस्तारण 17 अक्टूबर 2023 से 26 दिसम्बर 2023 तक किया जायेगा। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 5 जनवरी 2024 को किया जायेगा।

जिला चुनाव अफसर ने जिले के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गतिविधियों को समय पर पूरा करने और पुनरीक्षण कार्यक्रम को सोशल/इलेक्ट्रॉनिक/प्रिंट मीडिया के माध्यम से यथासंभव प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं।

कृषि मशीनों पर सब्सिडी के लिए 20 जुलाई तक करें अप्लाई

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब सरकार द्वारा कृषि मशीनों पर सब्सिडी मुहैया करवाने के लिए किसानों से 20 जुलाई, 2023 तक ऑनलाइन पोर्टल agrimachinerypb.com पर आवेदनों की माँग की गई है। मुख्य कृषि अधिकारी डॉ. जसवंत राय ने बताया कि सब- मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाईज़ेशन (समैम) स्कीम के अधीन पैडी ट्रांसप्लांटर (धान की मशीनी बिजाई करने वाली मशीन), डी.एस.आर. ड्रिल (धान की सीधी बिजाई करने वाली मशीन), पटैटो प्लांटर-ऑटोमैटिक/सैमी ऑटोमैटिक (आलू बीजने वाली मशीन), ट्रैक्टर ऑपरेटिड बूम स्प्रेयर (ट्रैक्टर से चलने वाली बूम टाईप स्प्रेयर मशीन), पी.टी.ओ. ऑपरेटिड बंड मेकर (ट्रैक्टर पी.टी.ओ. से खेत में छोटी पगडंडी बनाने वाली मशीन), ऑयल मिल (तेल निकालने वाली मशीन), मिन्नी प्रोसैसिंग प्लांट, नर्सरी सीडर (धान की पनीरी बीजने वाली मशीन) समेत स्कीम के अधीन पोर्टल पर उपलब्ध अन्य

मशीनों की खरीद पर सब्सिडी प्राप्त करने के लिए किसान ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मुख्य कृषि अधिकारी ने आगे बताया कि आवेदन प्राप्त होने के उपरांत विभाग से प्राप्त हिदायतों के अनुसार योग्य आवेदनकर्ताओं को मशीनों की खरीद के लिए मंज़ूरी पत्र पोर्टल के द्वारा जारी किए जाएंगे, जिसके बाद किसान निश्चित समय के अंदर-अंदर विभाग द्वारा मंजूरशुदा और पोर्टल पर दर्ज पसंदीदा किसी भी मशीनरी निर्माता/डीलर से मशीन खरीद सकेंगे।

समुद्री तूफान से बचे परिवारों ने अशोक सरीन व मनोज नन्ना का धन्यवाद किया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

केंद्रीय विधानसभा के डकोया रामामंडी इलाके से गुजरात अपने कोच के साथ बॉक्सिंग खेलने गए 59 मे 18 बच्चे रामामंडी के थे। समुद्री तूफान के कारण गुजरात के द्वारिका जिले मे पांच दिन तक अपने कोच विवेक यादव के साथ फंसे रहे। उनके परिवारों ने भारतीय जनता पार्टी जिला जालंधर के महामंत्री अशोक सरीन हिक्की के साथ हिंदू क्रांति दल के नेता मनोज नना के माध्यम से संपर्क किया जिसके बाद हिक्की ने तत्परता दिखाते हुए पंजाब भाजपा के प्रभारी विजय रूपानी व गुजरात के होम मिनिस्टर हर्ष सांघवी से संपर्क किया। इसके बाद द्वारकाधीश जिले की पुलिस के सराहनीय प्रयासों से पोरबंदर रेलवे स्टेशन तक बस का विशेष प्रबंध करके बच्चों को छोड़ा गया जो अब वापिस जालन्धर आ गए है। बच्चों और उनके परिवारों ने हिक्की और नन्नहा का धन्यवाद किया है।

बीसीसीआई इस विश्व कप को यादगार टूर्नामेंट बनाएगी : सौरव गांगुली

लंदन. आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप 2023 का आयोजन भारत में होना है जिसका शेड्यूल मंगलवार को जारी हो गया था। इस टूर्नामेंट के शेड्यूल की घोषणा

होने के बाद पहला मुकबला इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा जिसकी शुरुआत पांच अक्टूबर से होगी। वहीं भारतीय टीम इस टूर्नामेंट का आगाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले से आठ अक्टूबर को करेगी।

विश्वकप शेड्यूल की घोषणा होने के बाद बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सौरव गांगुली ने बड़ी बात कही है। उन्होंने एक भावनात्मक संदेश को ट्विटर पर पोस्ट किया है। ये पोस्ट लिखकर उन्होंने फैंस के साथ अपने विचार भी साझा किए है।

सौरव गांगुली ने ट्वीट पर लिखा कि भारत में विश्व कप के आयोजन का इंतजार है। कोरोना संक्रमण के कारण अध्यक्ष रहते हुए ऐसा होने से चूक गया। क्या शानदार टूर्नामेंट होने जा रहा है। वर्ल्ड कप के लिए शानदार वेन्यू हैं जिनका शानदार बंटवारा किया गया है। इतने सारे आयोजनस्थलों पर कोई देश गर्व करेगा। बीसीसीआई इस विश्व कप को पूरे विश्व के लिए यादगार टूर्नामेंट बनाएगी। बीसीसीआई, जय शाह, रोजर बिन्नी और अन्य बीसीसीआई के पदाधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं। मैं जानता हूं कि ये एक जबरदस्त और शानदार विश्व कप होने जा रहा है। गौरतलब है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले का आयोजन हमेशा आईपीएल के बाद होता है। इस वर्ष भी आईपीएल के एक सप्ताह बाद ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। इस बार भी लगातार दूसरी बार भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद हार गई थी। इस हार के बाद भी ये सामने आया कि खिलाड़ियों को वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई को आईपीएल फ्रेंचाइजी से बात करनी चाहिए। हालांकि गांगुली ने साफ तौर पर कहा कि ये समाधान नहीं है।

उन्होंने कहा कि ये कोई बात नहीं है। अजिंक्य रहाणे ने भी आईपीएल खेला और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान उनका प्रदर्शन भी शानदार रहा। उन्होंने चैंपियनशिप में दमदार खेल दिखाया। आईपीएल में कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने दिलचस्प प्रदर्शन किया और फिर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भी उनका बल्ला और गेंद धमाकेदार प्रदर्शन करता दिखा।

राजेश बाघा ने आम आदमी को मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी दी

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

जनसंपर्क अभियान के तहत आज गांव पतारा में भाजपा मंडल पतारा के बूथ नंबर 199 और 200 पर स्थानीय लोगो को मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित पंजाब भाजपा प्रदेश महासचिव राजेश बाघा पूर्व चेयरमैन एससी आयोग पंजाब, अरुण शर्मा सदस्य भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी, संदीप वर्मन भाजपा जिला महासचिव, राज कुमार जोगी तलहन अध्यक्ष भाजपा मंडल पथरा, सचिन शर्मा, पवन पंडित,अमरजीत गुगु एवं विजय कुमार, भाजपा नेता एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.